पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने गुरू अर्जन देव के शहीदी दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किये

लखनऊः 22 मई, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज गुरू अर्जन देव के शहीदी दिवस पर नाका गुरूद्वारा जाकर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर गुरूद्वारा नाका हिण्डोला के अध्यक्ष, सरदार राजेन्द्र सिंह बघ्घा, महामंत्री, सरदार हरमिंदर सिंह, सरदार गुरूदीप सिंह छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे। नाका गुरूद्वारा की ओर से राज्यपाल को अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सिख परम्परा के पांचवे गुरू अर्जन देव शहीदों के सरताज है। उन्हें आध्यात्मिक जगत में उच्च स्थान प्राप्त है। गुरू अर्जन देव ने गुरू ग्रन्थ साहब के संपादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। गुरू अर्जन देव की वाणी और उपदेश वन्दनीय हैं। राज्यपाल ने कहा कि गुरू अर्जन देव का व्यक्तित्व मानव कल्याण के लिए प्रेरित करता है।

श्री नाईक ने कहा कि महापुरूषों के आदर्श जीवन हमारे जीवन में पवित्रता लाने और समाज तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी धर्म महान हैं। गुरूद्वारा, मंदिर, मस्जिद, चर्च एवं अन्य धार्मिक स्थान ऐसे हैं जहाँ जाकर मन को शांति मिलती है। उन्होंने कहा कि जाति के कारण मनुष्यों में भेदभाव नहीं होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि गुरूद्वारा की सीढ़ी चढ़ते हुए उन्हें अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की याद आ गयी। पिछले माह वे अपना सम्मान प्रकट करने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर गये थे। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम मंत्री के नाते भी उनका गुरूद्वारों से एक रिश्ता है। अपने कार्यकाल में उन्होंने गुरूद्वारों में लंगर के लिये सब्सिडी वाले गैस सिलेण्डरों की व्यवस्था करायी थी। राज्यपाल ने इस अवसर पर गुरूद्वारे में लंगर के लिए बन रही रोटी सेकने में सहयोग किया।

ਜਿਸਕੇ ਸਿਰ ਊਪਰ ਤੂੰ ਸੁਆਮੀ ਸੋ ਦੁਖੁ ਕੈਸਾ ਪਾਵੈ॥

ੴ ਸਤਿਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥
स्वागतम
शहीदों के सरताज साहिब श्री गुरु अरजन देव जी महाराज का पावन
शहीदी दिवस
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਸਿੰਘ ਸਭਾ
ਲਖਨਊ